PCSMANTRA.COM

भारत-सिंगापुर MRO समझौता: विमान रखरखाव में आत्मनिर्भरता की ओर

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

> समाचार-संदर्भ: 25 नवंबर 2026
> प्रिलिम्स: नागरिक उड्डयन, अंतर्राष्ट्रीय समझौते
> मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-III, अवसंरचना, कौशल विकास



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com।

खबरों में क्यों

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 25 नवंबर 2026 को भारत और सिंगापुर के बीच विमानन रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (MRO) क्षेत्र में कौशल और उद्योग विकास पर सहयोग के समझौता ज्ञापन (MoU) के हस्ताक्षर को मंज़ूरी दी। ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह हस्ताक्षर करने की स्वीकृति है; PIB ने कैबिनेट मंज़ूरी की रिपोर्ट दी है, अभी तक हस्ताक्षर होने की सूचना नहीं है।

MRO और AME क्या है

MRO का अर्थ है Maintenance, Repair and Overhaul, यानी विमान और उसके घटकों की नियमित जाँच, रखरखाव, मरम्मत और पूर्ण मरम्मत (ओवरहॉल)। इसके दायरे में लैंडिंग गियर, इंजन, रेडोम (रडार की सुरक्षात्मक बाहरी परत), कॉकपिट डिस्प्ले, सीटें और पंख जैसे हर हिस्से की देखभाल आती है। AME यानी विमान रखरखाव इंजीनियर (Aircraft Maintenance Engineer) वह प्रशिक्षित तकनीकी व्यक्ति है जो विमान की उड़ान-योग्यता की जाँच और प्रमाणन करता है।

समझौते के प्रमुख प्रावधान

- **पाठ्यक्रम का संयुक्त विकास:** AME प्रशिक्षण के लिए उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम दोनों देश मिलकर तैयार करेंगे।
- **संस्थानों का क्षमता-निर्माण:** भारतीय संस्थान गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दे सकें, इसके लिए विशेषज्ञता और अनुभव साझा किया जाएगा।
- **इंटर्नशिप और विनिमय कार्यक्रम:** सिंगापुर की MRO इकाइयों के साथ कार्यक्रम, जिनसे भारतीय विद्यार्थियों को वास्तविक उद्योग अनुभव मिलेगा।
- **उद्योग साझेदारी:** MRO सुविधाओं के विस्तार के लिए भारतीय और सिंगापुर के उद्योग भागीदारों के बीच भागीदारी की सुविधा।

भारत को घरेलू MRO की ज़रूरत क्यों

भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते विमानन बाज़ारों में है और एयरलाइन्स अपने विमानों के बेड़े लगातार बढ़ा रही हैं। इससे घरेलू MRO क्षमता और कुशल AME की माँग बढ़ी है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के अनुसार विदेशी रखरखाव सेवाओं पर निर्भरता से प्रायः लागत अधिक और विमान का डाउनटाइम (सेवा से बाहर रहने का समय) लंबा होता है, और लक्ष्य यह है कि लैंडिंग गियर से लेकर इंजन और कॉकपिट डिस्प्ले तक हर घटक की मरम्मत भारत में हो और भारत क्षेत्रीय विमानन कार्यशाला (regional aviation workshop) के रूप में स्थापित हो।

साझेदारी की पूरकता

सिंगापुर के पास स्थापित और परिपक्व विमानन MRO पारिस्थितिकी तंत्र है, जबकि भारत का विमानन बाज़ार तेज़ी से बढ़ रहा है। बढ़ता बेड़ा, क्षेत्रीय विमानन केंद्र के रूप में भारत की भौगोलिक स्थिति और कारोबार सुगम्यता के सरकारी प्रयास दोनों देशों की साझेदारी को पूरक बनाते हैं। यह सहयोग ज्ञान, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान का ढाँचा देता है।

अपेक्षित लाभ

कुशल कार्यबल: भारतीय प्रशिक्षण संस्थानों का पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण-क्षमता मजबूत होगी, जिससे युवाओं के लिए कुशल रोज़गार के अवसर बनेंगे।

घरेलू अवसंरचना: उद्योग की भागीदारी से देश में MRO सुविधाओं का विकास तेज़ होगा।

निर्भरता में कमी: समय के साथ विदेशी रखरखाव सेवाओं पर निर्भरता घटेगी, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम है।

मंज़ूरी, हस्ताक्षर और परिचालन में अंतर

MoU केवल सहयोग का ढाँचा है। कैबिनेट की मंज़ूरी का अर्थ यह नहीं कि समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं या कोई नई MRO सुविधा चालू हो गई है। परीक्षा के उत्तर में तीनों अवस्थाएँ, यानी मंज़ूरी, हस्ताक्षर और वास्तविक परिचालन, अलग-अलग रखें।

आगे की राह

हस्ताक्षर के बाद संस्थान-स्तरीय साझेदारी, पाठ्यक्रम-अनुकूलन और उद्योग निवेश को समयबद्ध करना होगा। AME की आपूर्ति बढ़ाना और MRO सुविधाओं को बड़े केंद्रों से आगे अन्य शहरों तक ले जाना अगली चुनौतियाँ होंगी।

pcsmantra.com

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भारत-सिंगापुर विमानन MRO समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 25 नवंबर 2026 को इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की मंज़ूरी दी है।

कथन 2: यह समझौता ज्ञापन 25 नवंबर 2026 को दोनों देशों के बीच औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित हो गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) केवल 1

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

> **उत्तर: (b).**
>
> कथन 1 सही है। कैबिनेट ने 25 नवंबर 2026 को MoU के हस्ताक्षर को मंज़ूरी दी।
>
> कथन 2 गलत है। PIB ने केवल हस्ताक्षर की कैबिनेट मंज़ूरी की रिपोर्ट दी है; अभी तक हस्ताक्षर की सूचना नहीं है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

घरेलू MRO क्षमता के अभाव में भारतीय एयरलाइन्स को किस तरह की लागत और परिचालन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? भारत-सिंगापुर सहयोग इस अंतर को कम करने में कैसे सहायक हो सकता है? (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

1. **भूमिका में**

   MRO की परिभाषा और कैबिनेट के 25 नवंबर 2026 के निर्णय से शुरुआत करें।

2. **मुख्य भाग में**

   विदेशी रखरखाव से लागत और डाउनटाइम की समस्या, बढ़ते बेड़े और AME की माँग लिखें; MoU के चार प्रावधानों (पाठ्यक्रम, संस्थान-क्षमता, इंटर्नशिप, उद्योग साझेदारी) से संभावित सुधार बताएँ।

3. **निष्कर्ष में**

   मंज़ूरी, हस्ताक्षर और परिचालन में अंतर रखते हुए क्रियान्वयन-केंद्रित निष्कर्ष दें; क्षेत्रीय MRO केंद्र बनना आत्मनिर्भरता से जोड़ें।

स्रोत

- https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2341444&lang=1&reg=1

pcsmantra.com

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ क्या भारत-सिंगापुर MRO समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं?

नहीं। कैबिनेट ने 25 नवंबर 2026 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की मंज़ूरी दी है; PIB ने केवल मंज़ूरी की रिपोर्ट दी है, अभी तक हस्ताक्षर की सूचना नहीं है।

▼ MRO का पूरा नाम और अर्थ क्या है?

Maintenance, Repair and Overhaul, यानी विमान और उसके घटकों की जाँच, रखरखाव, मरम्मत और पूर्ण मरम्मत।

▼ MoU में प्रशिक्षण को लेकर क्या प्रावधान है?

AME प्रशिक्षण का उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम संयुक्त रूप से विकसित होगा, भारतीय संस्थानों का क्षमता-निर्माण होगा और सिंगापुर की MRO इकाइयों में इंटर्नशिप व विनिमय कार्यक्रम होंगे।

यह भी पढ़ें

पारंदुर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट रद्द: वेदांतंगल-करीकिली रामसर साइटों की सुरक्षा को बढ़ावा
पानीपत में सतत विमानन ईंधन: प्रयुक्त खाद्य तेल से SAF और CORSIA का सही अर्थ

pcsmantra.com